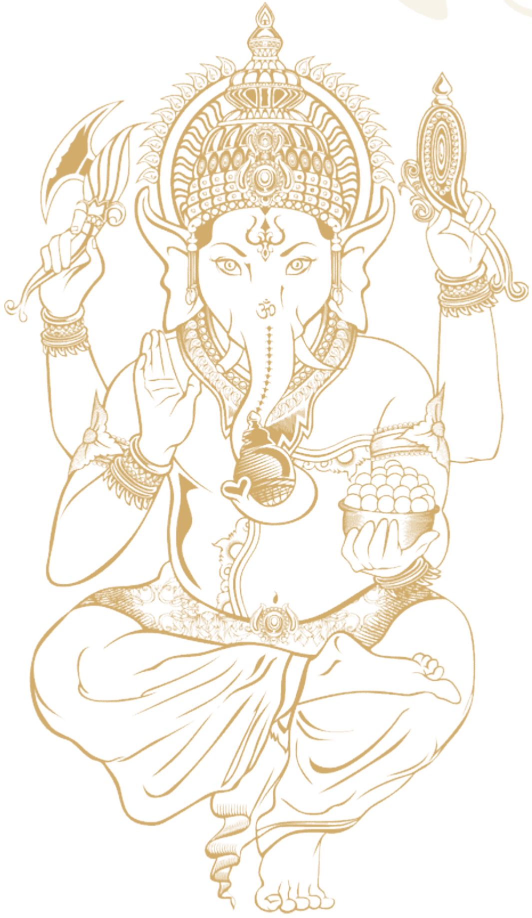

Mr.raju

02 Nov 1963

09:25 AM

Agra

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120140204

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
02/11/1963	जन्म तिथि	**02/11/2025**
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 09:25:00	जन्म समय	06:45:36 घंटे
घटी 07:21:32	जन्म समय(घटी)	00:41:23 घटी
India	देश	India
Agra	स्थान	Agra
उत्तर 27:09:00	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
पूर्व 78:00:00	रेखांश	78:00:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:00	स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:28:23	सूर्योदय	06:29:02
17:34:39	सूर्यास्त	17:33:59
23:20:48	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:07
वृश्चिक	लग्न	तुला
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मेष	राशि	कुम्भ
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
भरणी	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	3
व्यतिपात	योग	व्याघात
कौलव	करण	विष्टि
लो-लोकेश	जन्म नामाक्षर	दा-दामिनी
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
गज	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	सर्प
62	गत/तत्कालिक वर्ष	63

जन्म - विवरण / वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
ज्येष्ठा	2	22:53:21	वृश्चिक			लग्न			तुला	18:26:56	4	स्वाति
स्वाति	3	15:39:21	तुला			सूर्य			तुला	15:39:21	3	स्वाति
भरणी	4	24:00:23	मेष			चंद्र			कुंभ	27:14:06	3	पू०भाद्रपद
अनुराधा	3	12:00:46	वृश्चिक			मंगल			वृश्चिक	04:00:04	1	अनुराधा
स्वाति	3	13:50:20	तुला		अ	बुध			वृश्चिक	09:05:42	2	अनुराधा
रेवती	1	18:01:26	मीन	व		गुरु			कर्क	00:46:51	4	पुनर्वसु
विशाखा	4	02:25:16	वृश्चिक			शुक्र			कन्या	29:39:41	2	चित्रा
श्रवण	4	23:12:49	मक			शनि	व		मीन	01:31:50	4	पू०भाद्रपद
पुनर्वसु	1	20:00:55	मिथु	व		राहु	व		कुंभ	22:49:49	1	पू०भाद्रपद
पूर्वाषाढ़ा	3	20:00:55	धनु	व		केतु	व		सिंह	22:49:49	3	पू०फाल्गुनी
पू०फाल्गुनी	1	15:50:22	सिंह			मु			मक	22:53:21	4	श्रवण

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:07

लग्न-चलित

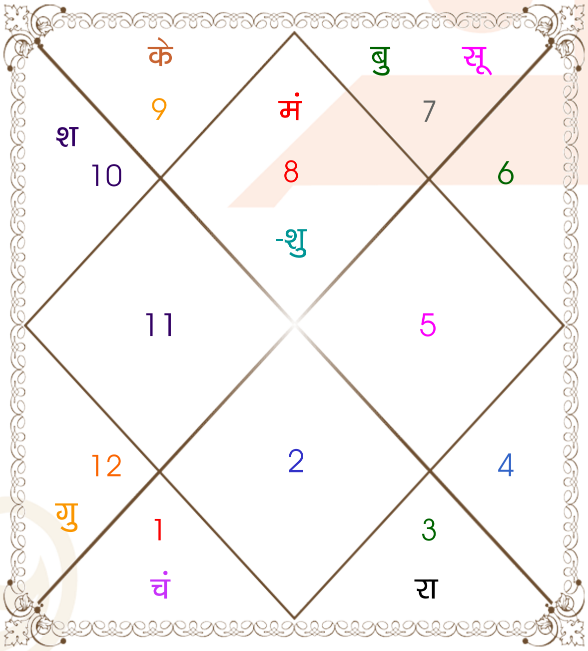

वर्ष लग्न कुंडली

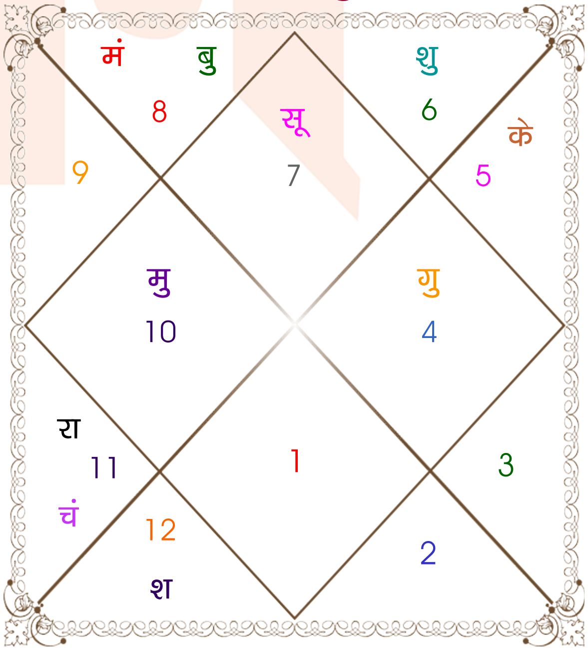

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - शनि - केतु		शनि - शनि - शुक्र		शनि - शनि - सूर्य		शनि - शनि - चंद्र	
23/09/2025 18:16		26/11/2025 20:34		28/05/2026 23:45		22/07/2026 22:18	
26/11/2025 20:34		28/05/2026 23:45		22/07/2026 22:18		22/10/2026 11:53	
केतु	27/09/2025 12:00	शुक्र	27/12/2025 09:06	सूर्य	31/05/2026 17:40	चंद्र	30/07/2026 13:26
शुक्र	08/10/2025 04:23	सूर्य	05/01/2026 12:52	चंद्र	05/06/2026 07:33	मंगल	04/08/2026 21:37
सूर्य	11/10/2025 09:18	चंद्र	20/01/2026 19:07	मंगल	08/06/2026 12:28	राहु	18/08/2026 15:16
चंद्र	16/10/2025 17:29	मंगल	31/01/2026 11:30	राहु	16/06/2026 18:15	गुरु	30/08/2026 20:16
मंगल	20/10/2025 11:13	राहु	27/02/2026 22:47	गुरु	24/06/2026 02:03	शनि	14/09/2026 08:13
राहु	30/10/2025 01:58	गुरु	24/03/2026 08:48	शनि	02/07/2026 18:50	बुध	27/09/2026 07:33
गुरु	07/11/2025 15:05	शनि	22/04/2026 08:43	बुध	10/07/2026 13:37	केतु	02/10/2026 15:44
शनि	17/11/2025 18:39	बुध	18/05/2026 07:22	केतु	13/07/2026 18:32	शुक्र	17/10/2026 22:00
बुध	26/11/2025 20:34	केतु	28/05/2026 23:45	शुक्र	22/07/2026 22:18	सूर्य	22/10/2026 11:53

शनि - शनि - मंगल		शनि - शनि - राहु		शनि - शनि - गुरु		शनि - बुध - बुध	
22/10/2026 11:53		25/12/2026 14:12		08/06/2027 09:51		01/11/2027 22:00	
25/12/2026 14:12		08/06/2027 09:51		01/11/2027 22:00		20/03/2028 04:38	
मंगल	26/10/2026 05:37	राहु	19/01/2027 07:33	गुरु	27/06/2027 22:40	बुध	21/11/2027 15:32
राहु	04/11/2026 20:22	गुरु	10/02/2027 06:58	शनि	21/07/2027 03:24	केतु	29/11/2027 18:31
गुरु	13/11/2026 09:29	शनि	08/03/2027 09:17	बुध	10/08/2027 21:31	शुक्र	22/12/2027 23:38
शनि	23/11/2026 13:02	बुध	31/03/2027 17:40	केतु	19/08/2027 10:37	सूर्य	29/12/2027 22:46
बुध	02/12/2026 14:58	केतु	10/04/2027 08:25	शुक्र	12/09/2027 20:39	चंद्र	10/01/2028 13:19
केतु	06/12/2026 08:42	शुक्र	07/05/2027 19:41	सूर्य	20/09/2027 04:27	मंगल	18/01/2028 16:18
शुक्र	17/12/2026 01:05	सूर्य	16/05/2027 01:28	चंद्र	02/10/2027 09:28	राहु	08/02/2028 13:42
सूर्य	20/12/2026 06:00	चंद्र	29/05/2027 19:06	मंगल	10/10/2027 22:34	गुरु	27/02/2028 03:23
चंद्र	25/12/2026 14:12	मंगल	08/06/2027 09:51	राहु	01/11/2027 22:00	शनि	20/03/2028 04:38

शनि - बुध - केतु		शनि - बुध - शुक्र		शनि - बुध - सूर्य		शनि - बुध - चंद्र	
20/03/2028 04:38		16/05/2028 13:01		27/10/2028 09:33		15/12/2028 13:18	
16/05/2028 13:01		27/10/2028 09:33		15/12/2028 13:18		07/03/2029 11:34	
केतु	23/03/2028 12:56	शुक्र	12/06/2028 20:27	सूर्य	29/10/2028 20:32	चंद्र	22/12/2028 09:10
शुक्र	02/04/2028 02:20	सूर्य	21/06/2028 01:04	चंद्र	02/11/2028 22:51	मंगल	27/12/2028 03:52
सूर्य	04/04/2028 23:09	चंद्र	04/07/2028 16:47	मंगल	05/11/2028 19:40	राहु	08/01/2029 10:48
चंद्र	09/04/2028 17:51	मंगल	14/07/2028 06:11	राहु	13/11/2028 04:38	गुरु	19/01/2029 08:58
मंगल	13/04/2028 02:08	राहु	07/08/2028 20:03	गुरु	19/11/2028 17:56	शनि	01/02/2029 08:18
राहु	21/04/2028 16:35	गुरु	29/08/2028 16:24	शनि	27/11/2028 12:44	बुध	12/02/2029 22:51
गुरु	29/04/2028 08:07	शनि	24/09/2028 15:03	बुध	04/12/2028 11:52	केतु	17/02/2029 17:33
शनि	08/05/2028 10:02	बुध	17/10/2028 20:09	केतु	07/12/2028 08:41	शुक्र	03/03/2029 09:15
बुध	16/05/2028 13:01	केतु	27/10/2028 09:33	शुक्र	15/12/2028 13:18	सूर्य	07/03/2029 11:34

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्विते़ऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर वातजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य रहेगी तथा यदा कदा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर परिवार में कलह तथा मतभेद रहेगा साथ ही पारिवारिक जनों से आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा लोग आपका यथोचित सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपकी अरूचि तथा उपेक्षा बनी रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को भी अल्प मात्रा में ही सम्पन्न करेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा परन्तु निम्न श्रेणी की स्त्रियों से आपको हानि हो सकती है अतः इनसे सम्पर्क न रखें। साथ ही सेवक वर्ग का सुख भी आप मध्यम ही प्राप्त करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इसमें अनावश्यक समस्याएं होगी। साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय उन्नति मार्ग में बाधाएं आएंगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय अच्छी नहीं रहेगी परन्तु बहिनों या भाईयों के द्वारा किंचित लाभ अर्जित हो सकता है। साथ ही अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त निम्न वर्ग के लोगों से हानि होगी अतः इनसे सतर्क रहें। इस प्रकार परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकेगी ।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शरीर से कष्ट की अनुभूति करेंगे जिससे दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यो को यथासमय पूर्ण करने में भी आप असमर्थ रहेंगे।मानसिक रूप से इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु पक्ष भी आपका प्रबल रहेगा तथा आपके लिए समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेगा जिससे आपको काफी असुविधा होगी। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपकी मान हानि की भी संभावना रहेगी यह या तो आपके स्वयं के कार्यो से होगी अथवा जिससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आपका कोई संबध न हो। अतः ऐसे अवसरों से आपको अत्यंत ही सावधान रहना चाहिए।

इस समय व्यापारिक या कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अनुकूल नहीं रहेगा।नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ उच्चाधिकारी या सहयोगी आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः आपकी पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में भी इस समय रूकावटें उत्पन्न होंगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप असमर्थ रहेंगे।फलतः आर्थिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी इसके अतिरिक्त बेरोजगारों को कार्य मिलने में अत्यंत ही कठिनाई रहेगी।